फर्जीवाड़ा

आजीविका मिशन की नोडल अधिकारी पर धोखाधड़ी का आरोप, लिखित शिकायत के बाद जांच शुरू

# धोखाधड़ी कर आदिवासी दीदियों के हड़पे 2 लाख

**निवास, नवभारत।** आदिवासी बाहुल्य जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विवादों के घेरे में है। तहसील निवास के ग्राम गुंदलाई की दो आदिवासी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने नोडल अधिकारी पूजा शर्मा पर फर्जी प्रस्तावों के माध्यम से समूह की 2 लाख रुपये की राशि हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया गया कि ग्राम गुंदलाई में संचालित वैष्णवी समूह और माया समूह की पदाधिकारियों का आरोप है कि उनके खातों में बिना सूचना के एक-एक लाख रुपये कुल 2 लाख डाले गए। समूह की सचिव चमेली बाई और अध्यक्ष राजकुमारी मार्को का कहना है कि उन्हें बताया गया कि यह राशि गलती से आई है। पीड़ितों ने बताया कि एसआरपी देवती मरावी ने उन्हें नोडल अधिकारी पूजा शर्मा के हस्ताक्षर वाला एक गल्ला खरीदी का प्रस्ताव दिखाया और विश्वास में लेकर वह राशि अन्यत्र ट्रांसफर करा ली। महिलाओं को बाद में बैंक से पता चला कि यह सरकार द्वारा दिया गया ऋण, सहायता थी, जिसकी देनदारी अब उन पर है।

### 5 फरवरी को दर्ज हुई थी शिकायत

ठगी का अहसास होने पर पीड़ित महिलाओं ने 5 फरवरी को निवास अनुविभागीय कार्यालय और निवास थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि फर्जीवाड़े की निष्पक्ष जांच हो और उनकी डूबी हुई राशि वापस दिलाई जाए। ग्रामीणों का दावा है कि नोडल अधिकारी के खिलाफ पहले भी शिकायतें हुई हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

### योजना की विश्वसनीयता पर उठने लगे सवाल

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का उद्देश्य गरीब महिलाओं को सशक्त बनाना है, लेकिन इस तरह की घटनाओं से मिशन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया गया कि बैंकिंग प्रणाली से पहली बार जुड़ने वाली आदिवासी महिलाओं को वित्तीय साक्षरता न होना ही ऐसे फर्जीवाड़े का मुख्य कारण बनता है। अब जिले की नजरें प्रशासन की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

**इनका कहना है**

मेरे संज्ञान में अभी ऐसा मामला नहीं आया है। यदि थाने में शिकायत हुई है तो पुलिस अन्वेषण करेगी। मेरे कार्यालय में शिकायत आने पर हम भी अपने स्तर से जांच कराएंगे।

**सीएल वर्मा, एसडीएम, निवास**

मैं 10 दिनों की छुट्टी पर हूं। समूहों का खाता अध्यक्ष, सचिव संचालित करते हैं, हम पैसे कैसे ले सकते हैं। निवास में 870 समूह हैं, वापस आकर ही कुछ बता पाऊंगी।

**पूजा शर्मा, नोडल अधिकारी, निवास**

यह मामला आज ही संज्ञान में आया है। जनपद स्तर पर टीम गठित कर संपूर्ण जांच कराई जाएगी, जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उस पर कठोर कार्रवाई होगी।

**घनश्याम सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत निवास**

# कार और स्कूटी भिड़ंत में दो युवक घायल

प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज किया गया रेफर

**बीजाडांडी।** जिले के बीजाडांडी थाना अंतर्गत खूटापड़ाव के पास शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहाँ एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार और स्कूटी के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी तत्काल 112 डायल और एम्बुलेंस को दी गई। सूचना मिलते ही 112 डायल पुलिस मौके पर पहुंची। बीजाडांडी पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच कर रही है।

जानकारी अनुसार स्कूटी सवार शनि रूकदरिया और प्रसादी लाल दोनों निवासी नारायणगंज, मानेगांव है। दोनों युवक बीजाडांडी से मानिकसरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान खूटापड़ाव के पास मोड़ पर जबलपुर की ओर से मंडला की तरफ आ रही एक ब्रेजा कार से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना डायल 112 और एम्बुलेंस को दी। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर डायल 112 का स्टाफ पहुंचा और घायलों को सीएचसी बीजाडांडी में उपचार के लिए ले भर्ती कराया गया।

### घायलों की हालत नाजुक

स्थानीय लोगों को डायल कर्मियों की मदद से तत्काल दोनों घायलों को बीजाडांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने घायलों की गंभीर स्थिति और शरीर पर आई गंभीर चोटों को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। हालांकि हालत में सुधार न होने और स्थिति चिंताजनक होने के कारण बेहतर इलाज के लिए दोनों युवकों को तत्काल जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मोड़ पर वाहनों की गति अधिक होने के कारण चालक संतुलन नहीं बना सके। फिलहाल पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है कि हादसा किस वाहन की लापरवाही से हुआ।

# शराब बनाने या पीने वाले का होगा सामाजिक बहिष्कार

नियमों का उल्लंघन करने पर देना होगा भारी जुर्माना

**भुआ बिछिया।** नशा मुक्ति के संकल्प को धरातल पर उतारने ग्राम पंचायत खटोला के ग्रामीणों ने एक ऐतिहासिक और कड़ा निर्णय लिया है। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सेक्टर मझीपुर की बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि यदि गांव में कोई भी व्यक्ति शराब पीते हुए या घर में शराब बनाते हुए पाया जाता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा और उसे भारी जुर्माना भी भरना होगा।

बताया गया कि विकासखंड समन्वयक कीर्ति कुरील की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में नशा निषेध सप्ताह विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समिति को सक्रिय करना, दस्तावेजों का सुदृढ़ीकरण और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना रहा। गांव की महिलाओं ने नशा मुक्ति अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए बताया कि गांव को बर्बादी से बचाने के लिए अब सख्त कदम उठाना अनिवार्य है। पंचायत में तय योजना के अनुसार दोषी व्यक्ति से गांव का कोई भी सदस्य बात नहीं करेगा। उसे किसी भी सामाजिक या सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर दंड स्वरूप आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समिति सदस्यों और ग्रामवासियों ने एक साथ मिलकर नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की। ग्रामीणों ने आपसी सहमति दी कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहेंगे, बल्कि पूरे गांव में इस मुहिम को एक अभियान की तरह चलाएंगे।

# ग्रामीणों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

घुघरी पांडकला में सुरक्षा और जागरूकता चौपाल आयोजित

**घुघरी।** समाज से नशे की बुराई को जड़ से मिटाने और युवाओं को उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना घुघरी के अंतर्गत ग्राम पंचायत पांडकला और पोषक ग्राम सैलवारा में भव्य नशा मुक्ति चौपाल का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम थाना प्रभारी पूजा बघेल के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ, जहाँ पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया। चौपाल में बताया गया कि नशा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से भी बर्बाद कर देता है। साथ ही, नशे के कारण होने वाले अपराधों और कानूनी कार्रवाइयों के प्रति भी ग्रामीणों को सचेत किया गया।

### साइबर अपराध से बचने बताए गए टिप्स

कार्यक्रम में पुलिस टीम ने नशा मुक्ति के साथ वर्तमान समय के बड़े खतरों पर भी चर्चा की गई। साइबर सेल से मिथलेश पटेल ने ग्रामीणों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से बचने के महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। इस चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया और अपने गांव को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। उपनिरीक्षक रामकिशोर माथरे और राजेंद्र हरदहा ने ग्रामीणों को कानून के पालन और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। ग्राम पंचायत पांडकला के सरपंच गणेश परस्ते और उपसरपंच विद्यासागर मरावी ने अपनी उपस्थिति से ग्रामीणों का उत्साहवर्धन किया और पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की। अधिकारियों ने अंत में अपील की कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए ग्रामीण पुलिस का सहयोग करें और क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

# आज चार प्रहर की विशेष पूजा से बरसेगी महादेव की कृपा

ज्योतिषाचार्य संदीप ज्योतिषी ने बताया रुद्राभिषेक का महत्व

**अंजनिया।** देवाधिदेव महादेव की आराधना का महान पर्व महाशिवरात्रि इस वर्ष 15 फरवरी को विशेष आध्यात्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पं. संदीप ज्योतिषी दिवारा अंजनिया ने बताया कि इस वर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी को शाम 4.25 बजे प्रारंभ होगी, जो अगले दिन 16 फरवरी को शाम 5.10 बजे तक रहेगी। महाशिवरात्रि में रात्रिकालीन पूजा और निशिता काल का विशेष महत्व है, इसलिए यह पर्व 15 फरवरी को ही मनाया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार महाशिवरात्रि की रात्रि को चार प्रहरों में बांटकर महादेव का अभिषेक करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रत्येक प्रहर की पूजा तीन घंटे के अंतराल पर संपन्न होगी। जिसमें प्रथम प्रहर शाम 6 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें भोलेनाथ का दूध से रुद्राभिषेक किया जाएगा। द्वितीय प्रहर रात्रि 9 बजे से शुरू होगा, इस दौरान दही से रुद्राभिषेक किया जाएगा। तृतीय प्रहर मध्य रात्रि 12 बजे से प्रारंभ होगा, इस दौरान घी से रुद्राभिषेक किया जाएगा। चतुर्थ प्रहर तड़के 3 बजे शहद से रुद्राभिषेक किया जाएगा। पवित्र नगरी अमरकंटक और नर्मदा तटों पर स्थित शिवालयों में 15 फरवरी की संध्या से ही श्रद्धालु मां नर्मदा के जल से जलाभिषेक करेंगे। पूरे क्षेत्र में हर-हर महादेव और नर्मदे हर के जयघोष गूंजेंगे। स्थानीय प्रशासन और मंदिर समितियों ने भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

### राम कुमार शुक्ला का निधन

**नैनपुर।** वार्ड नंबर 9 काली मंदिर निवासी श्री राम कुमार शुक्ला (रिटायर्ड फॉरेस्ट) का शनिवार देर शाम ही स्वर्गलोक गमन हो गया, उनका विगत कई दिनों से स्वस्थ खराब चल रहा था, जिनका अंतिम संस्कार 15 फरवरी को दोपहर 1.00 थांवर मुक्ति धाम में किया जायेगा।

### वाहन की टक्कर से युवक की मौत

**महाराजपुर।** महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पौड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर शुक्रवार शाम सड़क हादसे में एक साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान दादूराम मरावी के रूप में हुई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

# जवानों को सुरक्षा कवच प्रदान करता है बीमा : शर्मा

थाना करंजिया में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

**करंजिया, नवभारत 14 फरवरी।** गुरुवार को पुलिस मुख्यालय द्वारा अनुमोदित एक्सिस लाइफ इंश्योरेंस स्कीम के अंतर्गत थाना करंजिया में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र में कार्यरत पुलिस जवानों को गंभीर दुर्घटनाओं एवं आकस्मिक परिस्थितियों से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में एक्सिस लाइफ इंश्योरेंस के एरिया हेड मनीष शर्मा ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान पुलिस बल को विभिन्न जोखिमों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह बीमा योजना जवानों एवं उनके परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। उन्होंने बीमा कवर, क्लेम प्रक्रिया एवं अन्य लाभों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

### पुलिस जवानों के हित में महत्वपूर्ण कदम

कार्यशाला में थाना प्रभारी नरेंद्र पॉल सहित सउनि तिलगाम, प्रआर जगन मार्को, मप्रआर संगीता उइके, रामनंदन सनौड़िया एवं शिवपाल कौरव उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योजना में रुचि दिखाते हुए इसे पुलिस परिवार के लिए उपयोगी बताया। अंत में थाना प्रभारी ने इस पहल को पुलिस जवानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए आभार व्यक्त किया।

# डिजिटल इंडिया के दावों की निकली हवा

उमरिया में सर्वर पूरी तरह ठप, मजदूरी छोड़कर दुकानों के चक्कर काट रहे ग्रामीण

**नवभारत उमरिया 14 फरवरी।** सरकारी तंत्र की लापरवाही और तकनीकी खामियों ने उमरिया जिले के हजारों गरीबों के निवाले पर संकट खड़ा कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से जिलेभर की उचित मूल्य की दुकानों का सर्वर पूरी तरह ठप पड़ा है। आलम यह है कि दूर-दराज से आने वाले उपभोक्ता सुबह से शाम तक दुकानों के बाहर भूखे-प्यासे खड़े रहते हैं, लेकिन अंत में उन्हें मशीन पर सर्वर डाउन का अंगूठा दिखाकर वापस भेज दिया जाता है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब करकेली स्थित आदिम जाति मर्यादित सहकारिता दुकान पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। ग्रामीणों ने वहां जमकर हंगामा किया।

### राशन के लिए भटक रहे ग्रामीण

कड़कड़ाती धूप और काम के सीजन में ग्रामीण अपनी दिहाड़ी मजदूरी छोड़कर राशन के लिए भटक रहे हैं। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी गरीबों को अनाज का एक दाना नसीब नहीं हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें बार-बार बुलाया जाता है, जिससे उनका आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। जिलेभर में फैली इस अव्यवस्था ने सबका साथ-सबका विकास के नारों की पोल खोलकर रख दी है। कहना है कि मशीन का सर्वर हैदराबाद से संचालित होता है और फिंगरप्रिंट न आने के कारण वे अनाज नहीं बांट पा रहे हैं। गरीब की भूख सर्वर के ठीक होने का इंतजार कर रही है।

### जिम्मेदारों की कॉल बता रही नॉट रिचेबल

हैरानी की बात तो यह है कि जब इस गंभीर संकट पर जिला खाद्य अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो वे उपलब्ध नहीं हुए। वहीं, विभागीय टेक्निकल इंजीनियर का तर्क है कि समस्या पूरे मध्य प्रदेश में है। यह जवाब उस जख्म पर नमक छिड़कने जैसा है, जहाँ गरीब का बच्चा घर में भूखा सो रहा हो। अगर समस्या प्रदेश स्तर पर है, तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई, क्या जनता की परेशानी से कोई लेना-देना ही नहीं है। अधिकारियों के जल्द चालू हो जाएगी वाले रटे-रटाए जवाबों से जनता का पेट नहीं भरने वाला। सवाल यह है कि डिजिटल व्यवस्था के नाम गरीबों को इस तरह प्रताड़ित करना कब बंद होगा।

# युवा राष्ट्र निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका : सरपंच

करौंदी में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर प्रारंभ

**शहपुरा नवभारत 14 फरवरी।** जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंदी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष शिविर 10 फरवरी से प्रारंभ होकर 16 फरवरीतक आयोजित किया जा रहा है।

भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से संबद्ध इस शिविर का आयोजन 'मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' थीम पर किया जा रहा है। शिविर का संचालन संभागीय समन्वयक डॉ. शोभाराम मेहरा, जिला संगठक डॉ. पीसी उइके एवं शास. आदर्श महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव के निर्देशन में तथा एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एलएन साहू के नेतृत्व में किया जा रहा है।

**हितग्राही योजनाओं की दी जाएगी जानकारी**-शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत करौंदी की सरपंच दुर्गा बाई एवं प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव द्वारा मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पूजन तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं से समाज सेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवक ग्रामीणों को मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न हितग्राही योजनाओं की जानकारी घर-घर जाकर दे रहे हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के श्रीराम ठाकुर, डॉ. नेहा चौहान, डॉ. वीना शिवहरे, भागवत सिंह धुर्वे, पीएस वरकड़े, डॉ. परमेश साकेत, टीपी साहू, डॉ. अनिल झारिया, डॉ. राजू रैदास, डॉ. राजेश तिवारी, मधुर मरावी, कृति जैन, आकांक्षा कुशराम एवं अभिषेक पटेल सहित समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बेनकाब

मानपुर परिक्षेत्र में संवेदनहीनता और झूठे वादों का शर्मनाक मामला उजागर

# गरीब की 9 महीने की मजदूरी डकार गया वन विभाग

**चिल्हारी नवभारत 14 फरवरी।** जिले के मानपुर परिक्षेत्र में वन विभाग की संवेदनहीनता और झूठे वादों का एक ऐसा शर्मनाक मामला सामने आया है, जिसने सरकारी तंत्र के मानवीय चेहरे को बेनकाब कर दिया है।

एक तरफ जहां सरकार आदिवासियों के कल्याण के ढोल पीटती है, वहीं दूसरी ओर ग्राम बिजौरी के एक पीड़ित पिता को अपने बेटे की मौत के बदले मिले आश्वासन को पाने के लिए भी दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। बाघ के हमले में बेटे को खोने वाले महिपाल बैगा के साथ वन विभाग ने न केवल वादाखिलाफी की, बल्कि 9 महीने तक काम कराकर उसे पाई-पाई के लिए मोहताज कर दिया है।

### बेटे की मौत पर मिला था नौकरी का झुनझुना

मामले की जड़ें वर्ष 2023 की उस दर्दनाक घटना से जुड़ी हैं, जब महिपाल बैगा के पुत्र अनुज बैगा को बाघ ने अपना निवाला बना लिया था। उस समय आक्रोश को शांत करने और सहानुभूति बटोरने के लिए वन विभाग के आला अफसरों ने पीड़ित परिवार को यह भरोसा दिलाया था कि महिपाल और उसके भाई सुखलाल बैगा को वन विभाग में स्थायी रूप से चौकीदार के पद पर तैनात किया जाएगा, लेकिन आज हालात यह हैं कि विभाग अपनी ही बातों से पलटता नजर आ रहा है।

### आदिवासी काट रहा दफ्तरों के चक्कर

आश्वासन के बाद महिपाल बैगा को बडखेरा बीट में चौकीदार के पद पर तैनात तो कर दिया गया, लेकिन विडंबना देखिए कि विभाग ने उनसे 9 महीने तक हाड़-तोड़ मेहनत कराई और जब मजदूरी देने की बारी आई, तो हाथ खड़े कर लिए। वर्ष 2024 के दौरान किए गए इस कार्य का वेतन आज तक महिपाल को

नहीं मिला है। एक गरीब आदिवासी, जिसने अपना बच्चा खोया, अब अपने पसीने की कमाई के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। सवाल यह उठता है कि क्या वन विभाग के बजट में इस गरीब की मजदूरी के पैसे नहीं थे या फिर अफसरों की फाइलों में यह राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।

### अब भाई को नौकरी देने से कर दिया इंकार

पीड़ित महिपाल बैगा का आरोप है कि पूर्व में विभाग ने दोनों भाइयों (महिपाल और सुखलाल) को नौकरी देने का बादा किया से मुकरते हुए कह रहे हैं कि सिर्फ एक को ही काम मिलेगा। यह सीधे तौर पर था। अब अधिकारी अपनी जुबान एक आदिवासी परिवार के साथ धोखाधड़ी है। क्या प्रशासन तब तक सोता रहता है जब तक कोई गरीब बेमौत प्रति नहीं मर जाता और मरने के बाद किए गए वादे क्या सिर्फ कागजी खानापूर्ति के लिए होते हैं।

### कलेक्टर और डीएफओ की चौखट पर न्याय की गुहार

पीड़ित ने अब वनमंडलाधिकारी उमरिया को पत्र लिखकर अल्टीमेटम दिया है। इससे पहले भी मानपुर परिक्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर परिणाम शून्य रहा। पीड़ित का कहना है कि यदि उसे और उसके भाई को स्थायी नियुक्ति नहीं मिली और 9 माह का बकाया वेतन तत्काल जारी नहीं किया गया, तो वह उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होगा। इस पत्र के सार्वजनिक होते ही वन विभाग के गलियारों में खलबली मच गई है। सूत्र बताते हैं कि आला अफसर अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सवाल वही है कि आखिर 9 महीने तक एक गरीब की मजदूरी क्यों रोकी गई।